

23/2/2021

पत्रावली पेशा वकील उन्नयपत्र उपस्थित पत्रावली का अवलोकन किया गया। मुताबिक वाद पत्र अंतर्गत चारा 92 A. राज. काब्रतकारी अधिनियम, 1955, वादिया द्वारा यह अनुतोष चाहा गया है कि प्रतिवादि्या बिना विधिक प्रक्रिया अपनाये वादिया को वादग्रस्त भूमि से जबरन एवं बेजा तौर से बेदखल नही करे। प्रतिवादि्या द्वारा अपने जीवनकाल में ही इस आशय का वाद अंतर्गत चारा 183, राज. काब्रतकारी अधिनियम 1955 दायर कर दिया गया था, जो वर्तमान में माननीय राजस्व मंडल अजमेर में विचाराधीन है। अतः वकील वारी के निवेदन पर एवं 012 RG CPC के तहत यह वाद इस आदेश के तहत निरिधि किया जाता है कि वादिया को वादग्रस्त भूमि से विधिक प्रक्रिया के तहत ही बेदखल किया जाये। इस निधि का बेदखली के विचाराधीन वाद पर कोई प्रभाव नही पड़ेगा। आदेश सुनाया गया। पत्रावली फंसल शुमार होकर सारिवल रफ्तार हो।

26/2/2021

पत्रावली पेशा वकील उन्नयपत्र उपस्थित पत्रावली का अवलोकन किया गया। मुताबिक वाद पत्र अंतर्गत चारा 92 A. राज. काब्रतकारी अधिनियम, 1955, वादिया द्वारा यह अनुतोष चाहा गया है कि प्रतिवादि्या बिना विधिक प्रक्रिया अपनाये वादिया को वादग्रस्त भूमि से जबरन एवं बेजा तौर से बेदखल नही करे। प्रतिवादि्या द्वारा अपने जीवनकाल में ही इस आशय का वाद अंतर्गत चारा 183, राज. काब्रतकारी अधिनियम 1955 दायर कर दिया गया था, जो वर्तमान में माननीय राजस्व मंडल अजमेर में विचाराधीन है। अतः वकील वारी के निवेदन पर एवं 012 RG CPC के तहत यह वाद इस आदेश के तहत निरिधि किया जाता है कि वादिया को वादग्रस्त भूमि से विधिक प्रक्रिया के तहत ही बेदखल किया जाये। इस निधि का बेदखली के विचाराधीन वाद पर कोई प्रभाव नही पड़ेगा। आदेश सुनाया गया। पत्रावली फंसल शुमार होकर सारिवल रफ्तार हो।

05.03.2021

पत्रावली पेशा वकील उन्नयपत्र उपस्थित पत्रावली का अवलोकन किया गया। मुताबिक वाद पत्र अंतर्गत चारा 92 A. राज. काब्रतकारी अधिनियम, 1955, वादिया द्वारा यह अनुतोष चाहा गया है कि प्रतिवादि्या बिना विधिक प्रक्रिया अपनाये वादिया को वादग्रस्त भूमि से जबरन एवं बेजा तौर से बेदखल नही करे। प्रतिवादि्या द्वारा अपने जीवनकाल में ही इस आशय का वाद अंतर्गत चारा 183, राज. काब्रतकारी अधिनियम 1955 दायर कर दिया गया था, जो वर्तमान में माननीय राजस्व मंडल अजमेर में विचाराधीन है। अतः वकील वारी के निवेदन पर एवं 012 RG CPC के तहत यह वाद इस आदेश के तहत निरिधि किया जाता है कि वादिया को वादग्रस्त भूमि से विधिक प्रक्रिया के तहत ही बेदखल किया जाये। इस निधि का बेदखली के विचाराधीन वाद पर कोई प्रभाव नही पड़ेगा। आदेश सुनाया गया। पत्रावली फंसल शुमार होकर सारिवल रफ्तार हो।

रिश्तिया
जिला कलेक्टर
की वजयवासर